

तू सब जानता है तुझे क्या बताएं भजन लिरिक्स



तू सब जानता है,
तुझे क्या बताएं,
मैं जग से छुपा लूँ,
मेरा हाल दिल ये,
मगर तुमसे बाबा,
छिपे ना छिपाए,
तू सब जानता है,
तुझे क्या बताएं।

तर्ज - मुझे श्याम अपने गले से।

प्रीत अपनी प्रभु,
है पुरानी बड़ी,
याद तुमको किया,
मैंने तो हर घड़ी,
तेरे रहते बाबा,
किसे मैं पुकारूँ,
तू ही मेरा अपना,
सगरे पराये,
तू सब जानता है,
तुझे क्या बताएं।

खेलते सब रहे,
मेरे जज्बात से,
तुम तो वाकिफ हो श्याम,
मेरे हालात से,
मेरे आंसुओं में,
दर्द जो छुपा है,
तू ही उसको समझे,
तू ही तो मिटाये,
तू सब जानता है,
तुझे क्या बताएं।

इतना तो सांवरे,
मुझको विश्वास है,
कोई हो या ना हो,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के सीधे अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



मेरी गलतियों से,
अनजान हूँ मैं,
'सोनू' की उलझन,
तू ही सुलझाए,
तू सब जानता है,
तुझे क्या बताएं।bd।

तू सब जानता है,
तुझे क्या बताएं,
मैं जग से छुपा लूँ,
मेरा हाल दिल ये,
मगर तुमसे बाबा,
छिपे ना छिपाए,
तू सब जानता है,
तुझे क्या बताएं।bd।

स्वर – रजनी जी राजस्थानी ।
प्रेषक – निलेश मदन लालजी खंडेलवाल ।
धामनगांव रेलवे 9765438728
